भारत सरकार
विदेश मंत्रालय
लोकसभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-748
दिनांक 07.02.2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

रूसी सेना में भर्ती हुए भारतीय नागरिकों की स्वदेश वापसी

748. एडवोकेट अदूर प्रकाशः

क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को रूसी प्राधिकारियों से उन भारतीय नागरिकों, जो अभी भी रूसी सेना में सेवारत हैं, की रिहाई और प्रत्यावर्तन के संबंध में कोई सूचना प्राप्त हुई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है।

(ख) युद्ध के लिए रूसी सेना में भर्ती किए गए भारतीय नागरिकों की संख्या कितनी है और वापस भारत आ चुके, मृत अथवा अभी भी सेवारत लोगों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या मरने वाले सभी लोगों के पार्थिव शरीर को भारत वापस लाया गया, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(घ) क्या सरकार ने रूसी प्राधिकारियों द्वारा भारतीय नागरिकों को रिहा करने का आश्वासन दिए जाने के बावजूद, उन्हें रिहा न करने पर रूस के समक्ष कोई आपत्ति जताई है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
विदेश राज्य मंत्री
(श्री कीर्तवर्धन सिंह)

(क) रूसी सशस्त्र बलों में कार्यरत भारतीय नागरिकों के संबंध में उनकी सुरक्षा, कल्याण तथा शीघ्र सेवामुक्त किए जाने जैसे पहलुओं पर भारत और रूस के बीच नियमित रूप से संवाद होता रहा है, ताकि वे शीघ्र भारत लौट सकें।

(ख) उपलब्ध जानकारी के अनुसार, रूसी सशस्त्र बलों में सेवरत 127 भारतीय नागरिकों में से 97 व्यक्तियों की सेवाएं समाप्त कर दी गई हैं। 12 भारतीय नागरिकों के मारे जाने की खबर है। 18 भारतीय नागरिक रूसी सशस्त्र बलों में शेष हैं, जिनमें से 16 के लापता होने की सूचना रूसी पक्ष द्वारा दी गई है।

(ग) जिन 12 भारतीय नागरिकों के मारे जाने की खबर है, उनमें से सात व्यक्तियों के पार्थिव अवशेष भारत आ चुके हैं। इनमें से अन्य दो के मामले में, उनके परिजनों की इच्छानुसार रूस में उनका अंतिम

संस्कार किया गया है। सरकार मृत्यु के शेष तीन मामलों की पुष्टि/सत्यापन के लिए रूसी प्राधिकारियों के संपर्क में है।

(घ) भारत और रूस के बीच नियमित संपर्क जिसमें उच्चतम स्तर पर होने वाली वार्ताएं शामिल है, के परिणामस्वरूप, रूसी सशस्त्र बलों में कार्यरत अधिकांश भारतीय नागरिकों को सेवामुक्त कर दिया गया है। अगस्त 2024 में, रूसी पक्ष ने घोषणा की कि रूसी संघ के रक्षा मंत्रालय ने अप्रैल 2024 से अपने सशस्त्र बलों में भारतीय नागरिकों की भर्ती बंद कर दी है।

*****